टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED
(अनुसूची 'ए', मिनी रत्न पीएसयू)
(Schedule 'A', Mini Ratna PSU)

Great Place To Work. Certified JUL 2025-JUL 2026 INDIA

जांगावतरणम्
JANGAVATARANAM

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की गृह पत्रिका

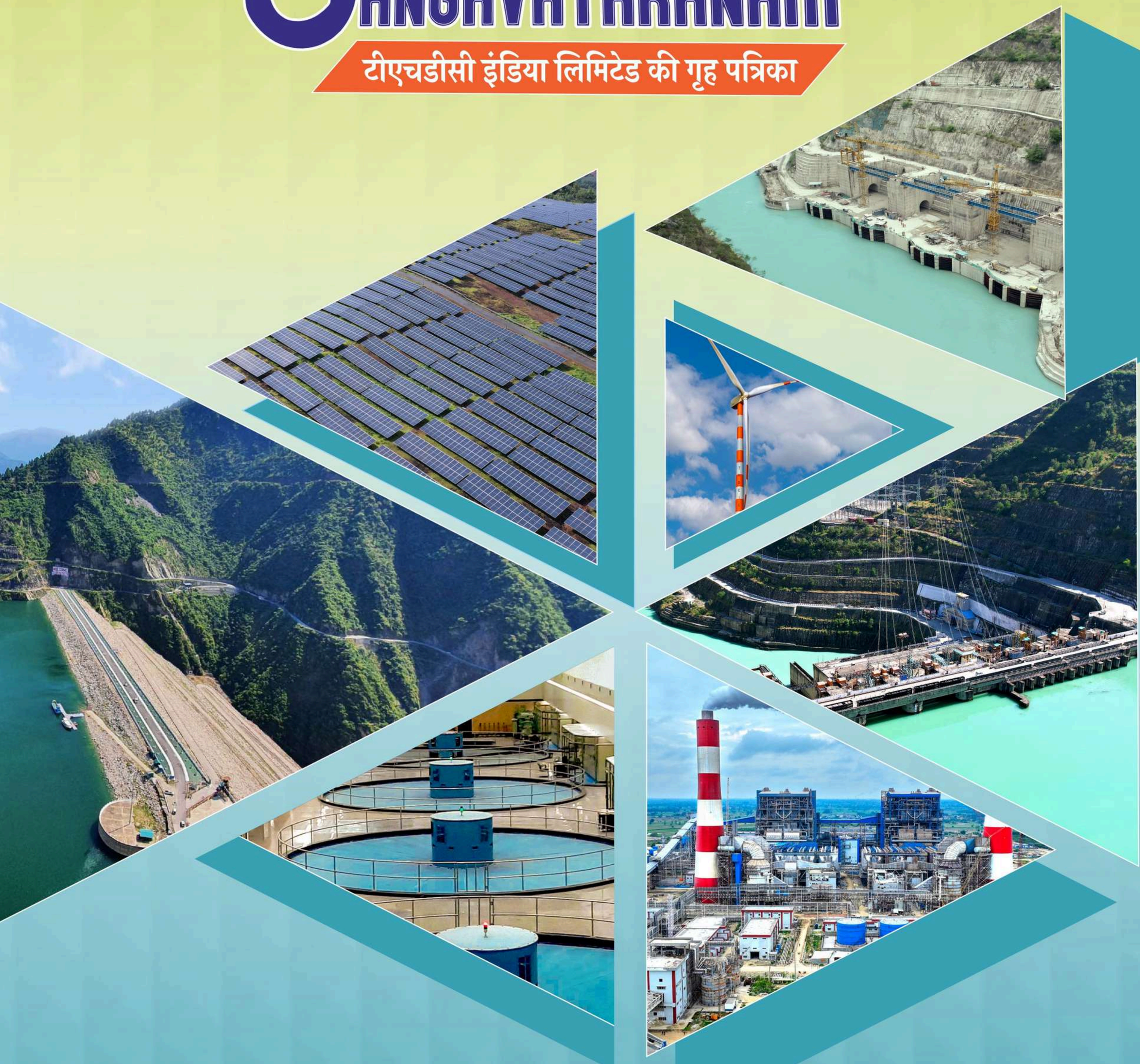

अप्रैल, 2026

मुख्य संरक्षक
श्री सिपन कुमार गर्ग
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संपादक
डॉ. ए. एन. त्रिपाठी
मुख्य महाप्रबंधक
(मा. सं. एवं प्रशा. एवं जनसंपर्क)

उप संपादक
डॉ. काजल परमार
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

विशिष्ट सहयोग
श्री पंकज कुमार शर्मा
उप प्रबंधक (राजभाषा)

सहायक संपादक
श्री ईशान भूषण
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

समन्वयक

टिहरी
श्री मनबीर सिंह नेगी
प्रबंधक (जनसंपर्क)

खुर्जा
श्री प्रभात कुमार
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

पीपलकोटी
श्री यतवीर सिंह चौहान, प्रबंधक (जनसंपर्क)
व **श्री अविनाश कुमार**
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

ऋषिकेश
श्री अभिषेक तिवारी
जनसंपर्क अधिकारी

संपादकीय

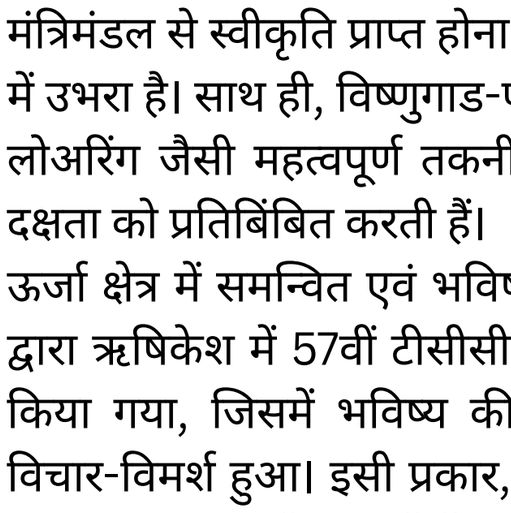

प्रिय पाठकों,

'गंगावतरणम्' के अप्रैल, 2026 अंक के माध्यम से एक बार पुनः आप सभी से जुड़ते हुए हमें प्रसन्नता हो रही है। यह माह संगठन के लिए अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियों, संस्थागत पहलों तथा सहभागितापूर्ण गतिविधियों का साक्षी रहा।

प्रस्तुत अंक इन्हीं विविध आयामों को समाहित करते हुए टीएचडीसी परिवार की निरंतर प्रगति, कार्यसंस्कृति एवं सामूहिक प्रतिबद्धता की झलक प्रस्तुत करता है।

अप्रैल माह टीएचडीसी के लिए विशेष रूप से ऐतिहासिक रहा, जब टिहरी पंप स्टोरेज परियोजना की अंतिम इकाई के वाणिज्यिक संचालन (COD) के साथ टिहरी कॉम्प्लेक्स ने अपनी पूर्ण स्थापित क्षमता प्राप्त की।

इसी क्रम में, 1200 मेगावाट क्षमता की कलाई-II जलविद्युत परियोजना को केंद्रीय मंत्रिमंडल से स्वीकृति प्राप्त होना संगठन की विकास यात्रा में एक नई उपलब्धि के रूप में उभरा है। साथ ही, विष्णुगाड-पीपलकोटी जलविद्युत परियोजना में यूनिट-1 के स्टेटर लोअरिंग जैसी महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धियाँ परियोजना निष्पादन में संगठन की दक्षता को प्रतिबिंबित करती हैं।

ऊर्जा क्षेत्र में समन्वित एवं भविष्य उन्मुख दृष्टिकोण को सशक्त करते हुए टीएचडीसी द्वारा ऋषिकेश में 57वीं टीसीसी एवं 82वीं एनआरपीसी बैठकों का सफल आयोजन किया गया, जिसमें भविष्य की विद्युत प्रणालियों एवं क्षेत्रीय समन्वय पर सार्थक विचार-विमर्श हुआ। इसी प्रकार, निगम द्वारा 'Law Reporter' के विशेष अंक का प्रकाशन संगठन में सुदृढ़ विधिक व्यवस्था एवं संस्थागत पारदर्शिता के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

परिचालन उपलब्धियों के क्षेत्र में खुर्जा सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट द्वारा वित्त वर्ष 2025–26 में 85.27% पीएएफ प्राप्त करना तथा अमेलिया कोयला खदान द्वारा स्थापना के बाद से सर्वाधिक उत्पादन एवं प्रेषण दर्ज करना उल्लेखनीय उपलब्धियाँ रही हैं।

सार्वजनिक उपक्रम दिवस-2026 का आयोजन टिहरी, खुर्जा एवं अमेलिया परियोजनाओं में उत्साह एवं सहभागिता के साथ किया गया, जिसमें कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी और सार्वजनिक क्षेत्र के योगदान के प्रति जागरूकता पर विशेष बल दिया गया। इसके अतिरिक्त, अग्निशमन सेवा सप्ताह, संयुक्त सतर्कता बैठक, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, एचआरडी गतिविधियों तथा महिला क्लब द्वारा आयोजित कार्यक्रमों ने संगठनात्मक संस्कृति को और अधिक सशक्त एवं सहभागितापूर्ण बनाया है।

टीएचडीसी सदैव एक ऐसे कार्य वातावरण के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध रहा है, जहाँ पेशेवर उत्कृष्टता के साथ-साथ सीखने, संवाद और रचनात्मक अभिव्यक्ति को भी समान महत्व दिया जाता है। 'गंगावतरणम्' इसी विचार का एक सशक्त माध्यम है।

हम अपने सभी पाठकों एवं कर्मचारियों से आग्रह करते हैं कि वे अपने लेख, अनुभव, रचनात्मक अभिव्यक्तियाँ तथा सुझाव हमें निरंतर भेजते रहें, ताकि यह पत्रिका और अधिक समृद्ध, सहभागितापूर्ण एवं प्रेरणादायी बन सके। आपके सुझाव और सहभागिता ही 'गंगावतरणम्' को एक जीवंत एवं आत्मीय मंच प्रदान करते हैं।

हमें विश्वास है कि 'गंगावतरणम्' का यह अंक आपको संगठन की विविध गतिविधियों एवं उपलब्धियों से अवगत कराते हुए सकारात्मक ऊर्जा और प्रेरणा प्रदान करेगा।

सादर।

डॉ. ए. एन. त्रिपाठी
संपादक

न सुखं संशयात्मनः।
There is no happiness for the doubting mind.

विद्युत उत्पादन हमारी कटिबद्धता...समाज का विकास हमारी प्रतिबद्धता...

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED

Great Place To Work. Certified JUL 2025-JUL 2026 INDIA

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश

टीएचडीसी परिवार के प्रिय सदस्यों,

आज हम उस दूरदर्शी स्वप्न को साकार रूप लेते हुए देख रहे हैं, जिसकी आधारशिला 1980 के दशक में अटूट विश्वास के साथ रखी गई थी। टीएचडीसी की धरोहर 'टिहरी कॉम्प्लेक्स' ने अपनी पूर्ण स्थापित क्षमता, 2400 मे.वा. के साथ सफलतापूर्वक संचालन प्रारंभ कर दिया है। टिहरी पंप स्टोरेज परियोजना की चौथी एवं अंतिम इकाई (250 मे.वा.) के क्रियान्वयन के साथ यह देश के सबसे बड़े जलविद्युत कॉम्प्लेक्स में से एक बन गया है, तथा अप्रैल 2026 में इसकी कमीशनिंग के उपरांत टीएचडीसी की कुल स्थापित क्षमता 3907 मे.वा. तक पहुँच गई है।

इसी क्रम में, वित्त वर्ष 2025–26 में टीएचडीसी ने (टिहरी पीएसपी से उत्पादन सहित) 13,125.66 मिलियन यूनिट (MU) का अब तक का सर्वाधिक विद्युत उत्पादन दर्ज किया। साथ ही, टिहरी एचपीपी एवं कोटेश्वर एचईपी ने पिछले दस वर्षों में अपना सर्वाधिक उत्पादन दर्ज करते हुए क्रमशः 3,512 MU एवं 1,385 MU उत्पादन प्राप्त किया, जो हमारी जलविद्युत परिसंपत्तियों की परिचालन उत्कृष्टता को दर्शाता है।

साथियों, अरुणाचल प्रदेश के अंजाव जिले में 1200 मे.वा. क्षमता की कलाई-II जलविद्युत परियोजना को केंद्रीय मंत्रिमंडल से स्वीकृति प्राप्त होना हमारे लिए गर्व और जिम्मेदारी दोनों का विषय है। यह परियोजना क्षेत्रीय ऊर्जा सुदृढ़ता के साथ-साथ देश की ऊर्जा सुरक्षा को भी नई दिशा प्रदान करेगी।

ऊर्जा के अन्य क्षेत्रों में भी हमारा प्रदर्शन सशक्त रहा है। खुर्जा सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट ने 85.27% PAF के साथ 6,496 MU उत्पादन दर्ज किया। जबकि अमेलिया कोयला खदान ने 4.50 मिलियन टन कोयले का उत्पादन एवं 4.32 मिलियन टन डिस्पैच के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, साथ ही हरित लॉजिस्टिक्स के लिए भारतीय रेल द्वारा सराहना प्राप्त की।

इन परिचालन उपलब्धियों के साथ-साथ, निगम का वित्तीय प्रदर्शन भी सुदृढ़ दिशा में अग्रसर है। निगम ने अपने इतिहास में पहली बार ₹7,061 करोड़ का राजस्व (Revenue from Operations) अर्जित किया है, जिसके परिणामस्वरूप लाभप्रदता (Profit After Tax) बढ़कर ₹1,036.15 करोड़ हो गई है, जो पिछले वर्ष के ₹732.91 करोड़ की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाती है।

साथियों, आज जो भी उपलब्धियाँ हमने अर्जित की हैं, वे आप सभी के समर्पण, परिश्रम और उत्कृष्ट टीम भावना का प्रत्यक्ष परिणाम हैं। आपके निरंतर प्रयासों ने ही इन लक्ष्यों को साकार किया है और यही प्रतिबद्धता हमें आगे भी नई ऊँचाइयों तक ले जाएगी।

आइए, हम इसी विश्वास, ऊर्जा और एकजुटता के साथ आगे बढ़ते हुए उत्कृष्टता को अपना मानक बनाएं और आने वाले समय में और भी बड़े लक्ष्य हासिल करें। मुझे पूरा विश्वास है कि टीएचडीसी परिवार इसी प्रतिबद्धता के साथ देश की ऊर्जा सुरक्षा और विकास यात्रा में अपनी भूमिका को और अधिक सशक्त बनाएगा।

आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ।

जय हिन्द! जय भारत!

सिपन कुमार गर्ग
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 1200 मेगावाट क्षमता वाली कलाई-II परियोजना के लिए निवेश प्रस्ताव को मंजूरी दी

THDCIL_MOP reposted

Narendra Modi @naren... · 08 Apr

A major boost to clean energy and development in the Northeast! The approval of the Kalai-II Hydro Electric Project in Arunachal Pradesh will strengthen power supply, generate sustainable energy and bring infrastructure and opportunities to the region.

pib.gov.in/PressReleasePa...

519 4.2K 31.3K 3.8M

Rajnath Singh @rajnathsingh · Apr 8

The Union Cabinet meeting chaired by Prime Minister Shri @narendramodi today approved the 1200 MW **Kalai-II** Hydro Electric Project in Arunachal Pradesh. This important decision will strengthen India's power sector, promote clean energy and boost development in the North-East

Show more

86 315 7.5K

Office of Manohar Lal @officeofmlk · Apr 8

The Cabinet Committee on Economic Affairs, chaired by the Hon'ble Prime Minister Shri @narendramodi, has approved ₹14,105.83 crore for the 1200 MW **Kalai-II** Hydro Electric Project in Anjaw District of Arunachal Pradesh, with a 78-month completion period. With an installed

Show more

5 9 238

Nitin Gadkari @nitin_gadkari · Apr 8

Union Cabinet, chaired by Prime Minister Shri @narendramodi Ji, has approved an investment of ₹14,105.83 crore for the construction of the 1200 MW **Kalai-II** Hydro Electric Project on the Lohit river in Anjaw district of Arunachal Pradesh, with an estimated completion period of 78

Show more

Sarbananda Sonowal @sarbanandsonwal · Apr 8

Cabinet chaired by Hon'ble PM Shri @narendramodi ji approves investment proposal for construction of 1200 MW **Kalai-II** Hydro Electric Project in Anjaw District of Arunachal Pradesh with an outlay of ₹ 14105.83 crore and completion period of 78 months.

#CabinetDecisions

Pema Khandu @PemaKhanduBJP · Apr 8

Heartfelt gratitude to Hon PM Shri @narendramodi Ji for approving the ₹14,105 crore **Kalai-II** Hydro Electric Project in Anjaw district.

With a capacity of 1200 MW, this project on the Lohit river will strengthen power supply, support grid stability, and bring infrastructure,

Show more

Chowna Mein @ChownaMeinBJP · Apr 8

I extend my sincere gratitude to Hon'ble Prime Minister Shri @narendramodi ji for approving two landmark hydropower projects for Arunachal Pradesh, the ₹26,069 crore Kamala Hydro Electric Project (1720 MW) and the ₹14,105 crore **Kalai-II** Hydro Electric Project (1200 MW) in Anjaw

Show more

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 1200 मेगावाट क्षमता वाली कलाई-II परियोजना के लिए निवेश प्रस्ताव को मंजूरी दी

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति ने कलाई-II जलविद्युत परियोजना के निर्माण के लिए 14,105.83 करोड़ के निवेश प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। परियोजना का निर्माण अरूणाचल प्रदेश के अंजाव जिले में लोहित नदी पर किया जाएगा, और इसके पूरा होने की अनुमानित अवधि 78 महीने है।

1200 मेगावाट (6 x 190 मेगावाट और 1 x 60 मेगावाट) की स्थापित क्षमता वाली इस परियोजना से प्रति वर्ष 4852.95 मिलियन यूनिट (एमयू) बिजली उत्पादन होना संभावित है। लोहित बेसिन की पहली जलविद्युत परियोजना के रूप में, यह राज्य में बिजली आपूर्ति में सुधार लाएगी, बिजली के अधिक मांग वाले समय में प्रबंधन में सहायता करेगी और राष्ट्रीय ग्रिड के संतुलन में योगदान देगी।

इस परियोजना को टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड और अरूणाचल प्रदेश सरकार के बीच एक संयुक्त उद्यम कम्पनी के माध्यम से लागू किया जाएगा। सरकार इस परियोजना के लिए राज्य की इक्विटी हिस्सेदारी के लिए 750 करोड़ रुपये की केन्द्रीय वित्तीय सहायता के अलावा आवश्यक बुनियादी ढांचे जैसे सड़कों, पुलों और ट्रांसमिशन लाइनों के निर्माण के लिए 599.88 करोड़ रुपये की बजटीय सहायता प्रदान करेगी।

इस परियोजना के अंतर्गत राज्य को 12 प्रतिशत निशुल्क बिजली प्राप्त होगी, साथ ही 1 प्रतिशत अतिरिक्त बिजली स्थानीय क्षेत्र विकास निधि (एलएडीएफ) के लिए निर्धारित की जाएगी, जिससे क्षेत्र में महत्वपूर्ण ढांचागत और सामाजिक-आर्थिक लाभ सुनिश्चित होंगे।

इस परियोजना से अरुणाचल प्रदेश के नामसाई और अंजाव जिलों के बुनियादी ढांचे में उल्लेखनीय सुधार होना संभावित है। इस परियोजना के तहत लगभग 29 किलोमीटर सड़कों और पुलों का निर्माण किया जाएगा, जो मुख्यतः स्थानीय उपयोग के लिए उपलब्ध रहेंगे। और साथ ही स्थानीय लोगों को विभिन्न प्रकार के मुआवज़े, रोजगार के अवसर और सीएसआर गतिविधियों के माध्यम से भी लाभ मिलने की संभावना है।

THDC Hosts 57th TCC & 82nd NRPC Meetings at Rishikesh to Strengthen Future Power Systems

The 57th Meeting of the Technical Coordination Committee (TCC) and the 82nd Meeting of the Northern Regional Power Committee (NRPC) were successfully convened at Rishikesh, Uttarakhand, on 17th–18th April, 2026. The meetings were hosted by THDC India Limited, bringing together key stakeholders from across the Northern Region to deliberate on critical issues pertaining to grid stability, transmission planning, and future energy requirements.

During the deliberations, Sh. Sipan Kumar Garg, CMD, THDCIL apprised the forum of the significant achievements of the power sector, including advancements in renewable energy integration, and measures for ensuring reliable and resilient grid operations. Sh. Garg further emphasized that such coordinated efforts among stakeholders are essential to navigate the evolving energy landscape and to build a robust, future-ready power system capable of supporting India's growing aspirations.

Shri Basant Garg, IAS, Chairperson, NRPC was also virtually present during the meeting and provided valuable guidance. The forum reaffirmed its commitment towards coordinated efforts for ensuring a secure, efficient, and future-ready power system in the Northern Region.

The meeting reflected the evolving priorities of the power sector, with focused discussions on strengthening communication infrastructure through OPGW, addressing bandwidth constraints, and integrating advanced solutions such as Battery Energy Storage Systems. These initiatives were emphasized as key enablers for building a modern, reliable, and efficient power grid.

Sh. Hemant Jain, Member (GO&D), CEA; Ms. Rishika Sharan, Member Secretary, NRPC; Sh. Sanjeev Kumar Sood, Chairperson, TCC; Sh. Naveen Shrivastava, Director (Operations), PGCIL; Sh. Sajan George, Executive Director, NRLDC; and Sh. L. P. Joshi, CTO, THDCIL, along with other senior dignitaries from across the power sector, were present during the meeting.

THDC Marks Landmark Milestone with COD of Final Unit of 4x250 MW Tehri PSP

Sh. Sipan Kumar Garg, Chairman & Managing Director, THDC India Limited, congratulated Team THDCIL on the remarkable achievement of declaration of the Commercial Operation Date (COD) of the 4th unit of the 4x250 MW Tehri Pumped Storage Plant (PSP). He described the occasion as a historic and landmark milestone not only for THDCIL but also for the nation's power sector.

Sh. Garg stated that with all four units of the Tehri PSP now successfully operational, the project will play a transformative role in strengthening grid reliability, ensuring efficient peak demand management, and facilitating seamless integration of renewable energy into the national grid. He emphasized that pumped storage projects are crucial for enhancing energy security and supporting India's transition towards a cleaner and more sustainable energy future.

He further highlighted that the successful commissioning of all units of the Tehri PSP reflects the technical excellence, dedication, and relentless efforts of Team THDCIL. The achievement stands as a testimony to the organization's strong engineering capabilities and commitment to delivering strategic national infrastructure projects of immense importance.

Joint Vigilance Meet of NTPC, THDC & NEEPCO Focuses on Digital Systems & Preventive Vigilance

A Joint Vigilance Conference of NTPC Limited, THDC India Limited and North Eastern Electric Power Corporation was held on 23rd April, 2026 at Vivanta, Shillong on the theme "Vigilance Administration and Digital Initiatives." The conference witnessed the esteemed presence of Chief Guest Ms. Rashmita Jha (IRS), Chief Vigilance Officer, NTPC & THDC; Shri Sasanka Sarma (IRPS) , CVO, NEEPCO; Shri. Kundan Bharti Sinha, Deputy Secretary, Ministry of Power; Shri Satish Kumar Arya, Dy. CVO/GM(Vig.), THDCIL; along with other senior vigilance professionals from participating organizations.

Ms. Rashmita Jha, CVO NTPC & THDC, in her address, highlighted the growing importance of digitalisation in vigilance. She stressed that adoption of digital systems not only improves transparency and accountability but also helps in strengthening preventive vigilance across organizations. She also touched upon the role of vigilance in supporting overall organizational growth.

Sh. Satish Kumar Arya, Dy. CVO THDCIL, while participating as a panelist, shared the initiatives taken by THDCIL in capacity building of THDC officials, including sessions on case studies, CDA Rules and provisions of the Prevention of Corruption Act. He also spoke about the practical challenges faced in remote project locations and how focused training and systemic improvements can help in improving work culture and efficiency at such sites.

Continued on Page no 7

न सुखं संशयात्मनः।
There is no happiness for the doubting mind.

CMD, THDCIL Releases Special Issue of 'Law Reporter', Emphasizes Strong Legal Framework

Sh. Sipan Kumar Garg, Chairman & Managing Director, THDCIL, released a special issue of the 'THDCIL Law Reporter' (an in-house journal) of Corporate Law & Arbitration Department, focusing on contractual dispute reduction and resolution at Corporate Office, Rishikesh on 24th April, 2026.

On this occasion Sh. Sipan Kumar Garg conveyed that as THDCIL is expanding its footprints, strengthening institutional and legal frameworks is essential to support this growth. He added that timely and effective dispute resolution is critical to safeguarding project timelines, optimizing costs, and maintaining stakeholder trust, making it an integral pillar of our operational efficiency. Sh. Garg further urged employees to strengthen their legal awareness to support more informed and responsible decision-making across the organization.

Dr. A. N. Tripathy, CGM (HR, CC, L&A), Shri Ajay Vaish, AGM (L&A), along with other senior officers of the Corporate Law & Arbitration Department, were present on the occasion. Dr. A. N. Tripathy, CGM emphasized that this initiative is aimed at enhancing legal awareness and fostering informed discourse within the organization.

THDCIL Law Reporter is a periodic in-house journal published by the Corporate Law & Arbitration Department detailing case studies, and updates on contractual, service, and corporate law matters to build awareness, encourage dialogue, and strengthen compliance culture within the organization.

टिहरी परियोजना में पब्लिक सेक्टर डे- 2026 का आयोजन

टिहरी परियोजना में 17 अप्रैल, 2026 से 28 अप्रैल, 2026 तक सार्वजनिक उपक्रम दिवस–2026 का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य कर्मचारियों के मध्य रचनात्मकता, बौद्धिक विकास, भाषा कौशल तथा आपसी समन्वय को प्रोत्साहित करना था।

सार्वजनिक उपक्रम दिवस–2026 के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी, नारा लेखन एवं निबंध लेखन प्रतियोगिताएं सम्मिलित थी। इन प्रतियोगिताओं में कर्मचारियों एवं एफटीबी कार्मिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिताओं के दौरान प्रतिभागियों में विशेष उत्साह एवं प्रतिस्पर्धात्मक भावना देखने को मिली। निर्णायक मंडल द्वारा सभी प्रतिभागियों के प्रदर्शन का निष्पक्ष एवं पारदर्शी मूल्यांकन किया गया। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार के साथ-साथ सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए।

Joint Vigilance Meet of NTPC, THDC & NEEPCO Focuses on Digital Systems & Preventive Vigilance (continue...)

As a key speaker, Sh. Sachin Vyas, Sr. Manager (Vigilance), presented the digital initiatives undertaken by Vigilance Department, THDCIL, particularly in areas like complaint handling, process digitisation and monitoring systems. He also briefly highlighted the implementation of Anti Bribery Management System in THDCIL. The conference provided a useful platform for exchange of ideas and best practices among the participating organizations and highlighted the importance of continued collaboration in strengthening vigilance systems for overall growth of the Organization.

न सुखं संशयात्मनः।
There is no happiness for the doubting mind.

THDC Achieves Key Milestone at VPHEP with Successful Stator Lowering of Unit-1

THDC India Limited has achieved a significant milestone at the (4x111) MW Vishnugad-Pipalkoti Hydro Electric Project (VPHEP) with the successful lowering of the fully assembled stator of Unit-1 on 15th April 2026, marking a major step towards commissioning of the project.

The milestone event was virtually graced by Sh. Sipan Kumar Garg, Chairman & Managing Director, THDCIL, who congratulated the entire project team for their dedication and commitment. Sh. Garg added that the achievement is a reaffirmation of THDCIL's commitment to nation-building through sustainable hydropower development. As we move closer to commissioning, we remain focused on delivering reliable, clean energy that strengthens India's energy security and supports its long-term growth. The hydro generator, a vital electromechanical component of the project, consists of two primary parts – the stator (stationary component) and the rotor (rotating component). The stator plays a crucial role in power generation, housing the windings where electrical energy is produced through electromagnetic induction. Sh. Kumar Sharad, ED (Projects), congratulated the VPHEP team and stated that this milestone reflects the team's unwavering dedication, technical excellence, and seamless coordination in driving the project forward. Sh. Ajay Verma, CGM (VPHEP) expressed his gratitude to the THDCIL leadership for their continuous guidance and support. On this occasion, Sh. K.P. Singh, GM (TBM/PH), Sh. Ravindra Singh Rana, GM (EM), Sh. Ajay Kumar, AGM (G&G), Sh. O.P. Arya, AGM (CO/Township), Sh. S.P. Dobhal, AGM (PH), Sh. R.S. Panwar, DGM (CO), Sh. Karan Bargali, DGM (EM), Sh. Anil Raj, DGM (EM), etc., were also present.

टिहरी एवं कोटेश्वर परियोजनाओं में अग्निशमन सेवा सप्ताह का आयोजन

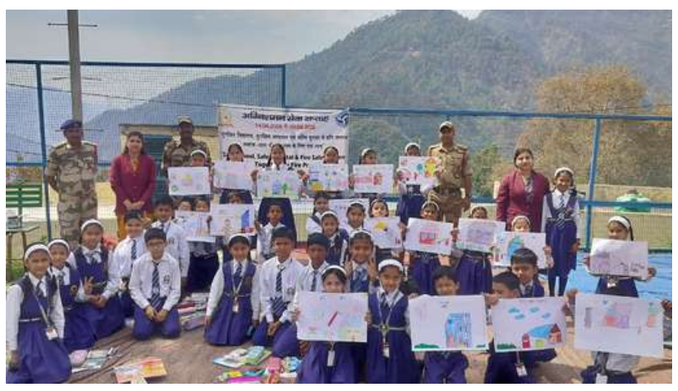

14 अप्रैल, 2026 को टिहरी एवं कोटेश्वर परियोजनाओं में तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की अग्निशमन इकाई द्वारा अग्निशमन सेवा दिवस के अवसर पर अग्नि दुर्घटनाओं में शहीद हुए वीर जवानों की स्मृति में एक प्रतीकात्मक स्मारक स्थल स्थापित किया गया | साथ ही स्मारक स्थल पर पुष्पचक्र एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर अग्निशमन सेवा सप्ताह का शुभारंभ भी किया गया, जो कि 20 अप्रैल, 2026 तक आयोजित किया गया।

अग्निशमन सेवा दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि श्री गौरव तोमर, कमान्डेंट,केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल ने अपने संबोधन में कहा कि अग्नि सुरक्षा केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक सामूहिक दायित्व है। इस वर्ष के अग्निशमन सेवा दिवस की थीम "सुरक्षित विद्यालय, सुरक्षित चिकित्सालय एवं अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक समाज-आग की रोकथाम के लिए एक साथ" निर्धारित की गई । इस अवसर पर अग्नि सुरक्षा जागरूकता के उद्देश्य से विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया।

20 अप्रैल, 2026 को अग्निशमन सेवा सप्ताह के समापन पर मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक (टीसी), श्री आर.आर. सेमवाल ने उपस्थित सभी कार्मिकों को सम्बोधित किया । मुख्य महाप्रबंधक (टीसी), श्री आर.आर. सेमवाल एवं कमान्डेंट (केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल), श्री गौरव तोमर द्वारा इन प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया ।

इस अवसर पर महाप्रबंधक (पी.एस.पी.) श्री एस.के. साहू, उप कमान्डेंट (के.औ.सु.ब.) श्री दुर्गेश चंद्र शुक्ला, टीएचडीसीआईएल के अपर महाप्रबंधक (सुरक्षा) श्री वीरेंद्र दत्त सेमवाल, उप महाप्रबंधक (मा.सं.एवं प्रशा.) श्री मोहन सिंह श्रीस्वाल, उप महाप्रबंधक (सुरक्षा) श्री एच.पी. भट्ट, उप प्रबंधक (सुरक्षा) श्री पुरुषोत्तम सिंह रावत, श्री आयुष मौर्य (कनिष्ठ अभियंता), हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन कम्पनी के श्री कैलाश ठाकुर, श्री राजेश कुमार, सहायक कमान्डेंट, (अग्नि, के.औ.सु.ब.), श्री संजय कुमार ध्यानी, निरीक्षक (कम्पनी कमाण्डर, के.औ.सु.ब.), श्री भगवान सिंह, उप निरीक्षक (के.औ.सु.ब.), श्री नवीन कुमार, सहायक निरीक्षक (के.औ.सु.ब.) सहित टीएचडीसीआईएल एवं केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे ।

न सुखं संशयात्मनः।
There is no happiness for the doubting mind.

KSTPP Achieves 85.27% PAF in FY 2025–26, Demonstrating Operational Excellence

The 1320 MW KSTPP has achieved an impressive Plant Availability Factor (PAF) of 85.27% during the financial year 2025–26.

Sh. Sipan Kumar Garg, Chairman and Managing Director, THDC India Limited, conveyed his heartfelt congratulations on this achievement and stated that this remarkable milestone reflects THDC's unwavering dedication and performance-driven approach.

Sh. Garg added that the exceptional performance of KSTPP during FY 2025–26, with a PAF exceeding 85% reflects exemplary teamwork, dedication, and a strong commitment to excellence.

It is worth noting that Khurja Super Thermal Power Project (KSTPP) achieved a total power generation of 6,496 Million Units (MU) during the financial year 2025–26, with Unit-1 contributing 4,997.11 MU and Unit-2 contributing 1,498.90 MU.

During this period, the station maintained an Annual Auxiliary Power Consumption (APC) of 6.61%, demonstrating efficient internal energy utilization. The Annual Specific Oil Consumption was recorded at 0.4 mL/kWh, indicating optimal use of secondary fuel, while the Annual Specific Coal Consumption stood at 0.52kg/kWh, reflecting effective fuel management and improved combustion efficiency.

In addition to plant performance, a significant milestone was achieved with the successful commissioning of the Signaling & Telecommunication (S&T) system for the private railway siding on 31st March 2026. Sh. Kumar Sharad, ED (Projects) congratulated the entire KSTPP team and stated that it is a testament to the collective commitment to operational excellence and efficiency. This event was marked by the presence of Sh. B. K. Sahoo, CGM (Project) and other senior officials from NTPC, THDCIL, BHEL, LMB, Steag and Bhavani.

नई ऊर्जा- नया जोश: टीएचडीसी परिवार में आपका स्वागत है

श्री संजय कुमार गुप्ता
अपर महाप्रबंधक (वित्त)
ऋषिकेश

श्री राजा राय
अधिकारी (वित्त)
पीपलकोटी

श्री रोहित ठाकुर
अधिकारी (वित्त)
टिहरी

श्री आदित्य रंजन अग्रवाल
अधिकारी (वित्त)
ऋषिकेश

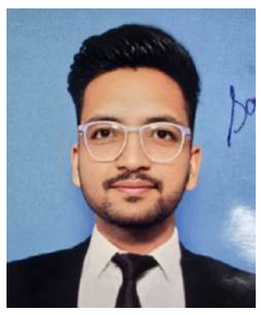

श्री समीर जसूजा
अधिकारी (वित्त)
ऋषिकेश

श्री के. जगदेव सेनापति
अधिकारी (वित्त)
खुर्जा

श्री जतिन
अधिकारी (वित्त)
अमेलिया

सुश्री रूबी वर्मा
अधिकारी (वित्त)
टिहरी

श्री विनीत शर्मा
अधिकारी (वित्त)
लखनऊ

श्री पीयूष कुमार
अधिकारी (वित्त)
ऋषिकेश

श्री राहुल कुमावत
अभियंता (माइनिंग)
अमेलिया

न सुखं संशयात्मनः|
There is no happiness for the doubting mind.

Amelia Coal Mine Sets New Benchmark with Highest-Ever Production and Dispatch Since Inception

Amelia Coal Mine has set a new benchmark by achieving its highest-ever coal production and dispatch since inception during the FY 2025–26. Mine recorded 4.5 Million Tonnes of coal production and 4.32 MT of dispatch, reflecting strong operational performance. Congratulating the team on this achievement, Sh. Sipan Kumar Garg, Chairman and Managing Director, THDCIL, stated that this milestone reflects the organization's performance-oriented approach, efficient resource management, and seamless coordination across operations. He further noted that the achievement demonstrates the Amelia Coal Mine's capability to sustain consistent performance while contributing significantly to the nation's energy security. During the financial year 2025-26, the Amelia Coal Mine demonstrated efficient mine planning, optimized resource utilization, and robust logistics coordination. The dispatch was primarily carried out through rail infrastructure, ensuring timely supply to major power utilities.

Out of the total dispatch, 3.66 Million Tonnes (952 rakes) were supplied to Khurja Super Thermal Power Plant (KSTPP), while 0.66 Million Tonnes (177 rakes) were dispatched to various NTPC power plants, reflecting strong coordination across the coal supply chain.

The achievement is further underscored by a peak monthly coal production of 6.75 lakh tonnes recorded in March 2026 and a highest-ever monthly dispatch of 5.15 lakh tonnes in January 2026. Both figures mark the highest levels achieved since inception and contributed significantly to the mine's overall record performance during FY 2025–26.

खुर्जा परियोजना में पब्लिक सेक्टर डे का आयोजन, जागरूकता एवं सहभागिता पर रहा विशेष बल

खुर्जा उच्च ताप विद्युत परियोजना में 10 अप्रैल से 30 अप्रैल, 2026 तक नेशनल पब्लिक सेक्टर डे का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ 10 अप्रैल, 2026 को मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना), श्री बिनोद कुमार साहू एवं सभी विभागाध्यक्षों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क), डॉ. प्रभात कुमार ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पब्लिक सेक्टर डे के महत्व से अवगत कराया। इसके उपरांत उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन), श्री दिलीप कुमार द्विवेदी ने सभी को नारा लेखन, प्रश्नोत्तरी एवं अन्य प्रतियोगिताओं में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि इन गतिविधियों का उद्देश्य कर्मचारियों में पब्लिक सेक्टर डे के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उनकी रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना है।

10 से 30 अप्रैल, 2026 के दौरान परियोजना परिसर में नारा प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी, जागरूकता सत्र सहित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। साथ ही, पब्लिक सेक्टर डे के महत्व के प्रचार-प्रसार हेतु परियोजना के प्रमुख स्थलों पर बैनर भी प्रदर्शित किए गए।

समापन अवसर पर मुख्य अतिथि श्री बिनोद कुमार साहू, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना) ने अपने संबोधन में कहा कि पब्लिक सेक्टर डे हम सभी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह दिवस हमें सार्वजनिक क्षेत्र के राष्ट्र निर्माण में अमूल्य योगदान की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाएं न केवल देश की विकास यात्रा की आधारशिला हैं, बल्कि 'आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया तथा विजेताओं को बधाई दी।

न सुखं संशयात्मनः।
There is no happiness for the doubting mind.

THDC Appreciated by Indian Railways for Reducing Carbon Emissions Through Rail-Based Coal Transport

Date:
24-04-2026

This is to certify that
M/S THDC INDIA LIMITED
has contributed in reduction of Carbon Emission by opting Rail Transportation over Road for movement of its cargo and earned

143419 RGPs

since 01.04.2022. This contribution towards a **Clean and Green India** is highly appreciated.

The month-wise earning of RGPs is as follows:

Month	Rail Green Points Earned
01-04-2026	135131
APR-2026	8288
CLOSING BALANCE	143419

-Indian Railways

***RGP:** RAIL GREEN POINTS

LET'S JOIN HANDS FOR A **CLEAN AND GREEN INDIA**

THDC India Limited has been appreciated by Indian Railways for its significant contribution towards the reduction of carbon emissions through the adoption of rail transportation over road movement for cargo handling at its Amelia Coal Mine Project, located in Singrauli district of Madhya Pradesh.

Shri Sipan Kumar Garg, Chairman and Managing Director, THDC India Limited, congratulated the team on this achievement and stated that THDCIL remains committed to clean energy initiatives and a "Nation First" approach, continuously striving to adopt sustainable and environmentally responsible practices across its operations.

The Amelia Coal Mine Project serves as a dedicated coal source for THDCIL's 1320 MW Khurja Super Thermal Power Project (KSTPP) in Bulandshahr, Uttar Pradesh, and also supplies coal to NTPC's thermal power plants. By prioritizing rail transportation for coal dispatch, THDCIL has successfully reduced the environmental impact associated with road logistics, thereby contributing to greener and more sustainable operations.

Since 1 April, 2022 THDCIL has earned a cumulative 143,419 Rail Green Points (RGPs), reflecting substantial environmental benefits in terms of avoided CO_2 emissions. This remarkable achievement highlights THDCIL's unwavering commitment to sustainable mining operations and green logistics practices, in alignment with the Government of India's vision of a Clean and Green India.

Sh. Kumar Sharad, ED (Projects), also congratulated the Amelia team and stated that this milestone reflects the team's unwavering dedication and seamless coordination in driving the project forward.

HRD Corner

Half-Day Program on “Nation First or Citizen First (Samuhik Charcha)”

A half-day interactive session on “Nation First or Citizen First (Samuhik Charcha)” was successfully conducted on 8th April, 2026 at THDCIL’s Takshshila- Sustainable Livelihood & Community Development Centre, Rishikesh, in line with the guidelines of the Capacity Building Commission under the national SAADHNA (Strengthening Adaptive Development and Humane Aptitude for National Advancement) Sapath for executives (E2-E5 level) posted at different departments in Rishikesh Unit.

The need for the program stems from the evolving expectations of public sector professionals to demonstrate accountability, integrity, and citizen-focused service delivery. It is aligned with the objectives of Mission Karmayogi, emphasising behavioural transformation and capacity building for effective governance.

The session was facilitated by in-House faculty, Smt. Madhwi Joshi, DGM, EMD, Rishikesh. She effectively delivered the session through her excellent facilitation, making the session highly interactive, engaging, and insightful.

03-Day Training Program on “Train The Trainer” By Power HR Forum

A three-day training program on “Train the Trainer” was successfully conducted from 27th to 29th April, 2026 at THDCIL’s Takshshila- Sustainable Livelihood & Community Development Centre, Rishikesh, by Power HR Forum. The program was organised as part of THDCIL’s strategic initiative towards revenue generation by effectively leveraging its HRD Centre campus, reaffirming its commitment to capacity building and institutional excellence.

The program was designed to strengthen the competencies of internal trainers and HR professionals by equipping them with contemporary training methodologies, facilitation techniques, and instructional design skills.

Executives from leading power sector organizations, including NHPC Limited, GRID India, Power Grid Corporation of India Limited, NTPC-SAIL Power Company Limited, Power Sector Skill Council, Rural Electrification Corporation, SJVN Limited and THDC India Limited, participated in the program.

The sessions were delivered by Dr. G. Jawahar, Executive Director (HR), Power Finance Corporation Ltd., whose rich experience and deep understanding of human resource development in the power sector added immense value to the program. His engaging delivery style and practical insights focused on enhancing the competencies of in-house trainers through theoretical inputs with experiential learning through group discussions, role plays, and practice teaching sessions, ensuring high levels of engagement and practical applicability.

The program received highly positive feedback from participants, who appreciated the well-structured content, interactive pedagogy, and relevance of the sessions to their professional roles. The practical orientation, particularly the practice sessions and peer feedback mechanisms, was highlighted as instrumental in building confidence and enhancing facilitation skills.

Collaborations with reputed platforms such as the Power HR Forum not only enable revenue generation through optimal utilisation of infrastructure but also contribute to growing recognition, enhanced visibility on various national platforms and positioning THDCIL’s HRD Centre- Takshshila as a preferred destination for high-quality training and knowledge-sharing interventions across industries.

न सुखं संशयात्मनः|
There is no happiness for the doubting mind.

Amelia Coal Mine Projects Celebrates Public Sector Day 2026 with Week-Long Events

Public Sector Day 2026 was celebrated at Amelia Coal Mine Project over a week-long program from 22nd to 28th April 2026, in commemoration of the founding of India's public sector enterprise movement. The celebration was conceived as both a tribute to the legacy of PSUs in nation-building and an opportunity to renew the spirit of pride, purpose, and participation across ACMP's workforce. Public Sector Day 2026 celebration was inaugurated by Sh. Rajeev Govil, Chief General Manager (Project Head), Amelia Coal Mine Project, THDCIL, Singrauli.

The week featured three flagship competitions; PSU Slogan & Punchline Quiz, Essay Competition, and Quiz on PSUs, culminating in a formal Closing Ceremony and Prize Distribution presided over by the Additional General Manager as Chief Guest. The events drew enthusiastic participation from officers and employees across departments, and the essay round was judged by an independent two-member evaluation committee to ensure fairness and objectivity.

The week-long celebration culminated on 28th April, 2026 with a formal Closing Ceremony and Prize Distribution function held at the New Office Building, ACMP. The function was graced by the Additional General Manager as Chief Guest, in the august presence of the Deputy General Manager (HR & Administration), members of the management team, and officers and employees from across departments.

In his keynote address, the Chief Guest underlined the historic role of public sector enterprises in shaping post-independence India. He congratulated all winners and participants and exhorted every member of ACMP to evolve from compliance to commitment, from routine to results, and from responsibility to ownership.

The HR & Administration Department places on record its sincere gratitude to the Chief General Manager for his guidance and patronage, to the Additional General Manager for gracing the closing ceremony as Chief Guest, and to Sh. R. M. Painuly and Sh. N. K. Upadhyay for their meticulous evaluation of the essay scripts, to all volunteers who supported the events behind the scenes, and to every officer and employee whose participation made the celebration meaningful and memorable.

चारधाम यात्रा के लिए सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लेने पीपलकोटी पहुंचे एडीजी, श्री ए.पी. अंशुमन

उत्तराखंड की सुप्रसिद्ध चारधाम यात्रा–2026 के सफल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित संचालन को सुनिश्चित करने हेतु प्रदेश प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम में अपर पुलिस महानिदेशक (लॉ एंड ऑर्डर), श्री ए.पी. अंशुमन ने दिनांक 15 अप्रैल, 2026 को पीपलकोटी क्षेत्र का दौरा कर सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था संबंधी व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की। इस अवसर पर विष्णुगाड पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना में उनका स्वागत किया गया |

पीपलकोटी, जो श्री बद्रीनाथ धाम यात्रा मार्ग का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, यात्रा अवधि के दौरान श्रद्धालुओं की भारी आवाजाही के कारण अत्यंत संवेदनशील एवं रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्र माना जाता है। निरीक्षण के दौरान यात्रा मार्ग की सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, आपदा तैयारियों तथा श्रद्धालुओं की सुविधा से संबंधित व्यवस्थाओं का आकलन किया गया।

चारधाम यात्रा के सुचारु संचालन हेतु प्रशासन द्वारा विभिन्न विभागों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए सुरक्षा एवं जनसुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान की जा रही है।

लेडीज़ क्लब

टीएचडीसी लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन 'तेजस्विनी', ऋषिकेश द्वारा होम फायर सेफ्टी जागरूकता कार्यक्रम एवं सदस्याओं का भावपूर्ण विदाई समारोह आयोजित

टीएचडीसी लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन 'तेजस्विनी', ऋषिकेश द्वारा 29 अप्रैल, 2026 को मुख्य संरक्षिका, श्रीमती पूजा गर्ग के सानिध्य में होम फायर सैफ्टी (Home Fire Safety) कार्यक्रम के अंतर्गत टिहरी से आए सीआईएसएफ के ट्रेनर्स द्वारा होम सैफ्टी के प्रति महिलाओं को जागरूक किया गया तथा साथ ही वेलफेयर प्रोग्राम के अंतर्गत मंदाकिनी अतिथि गृह तथा भिलंगना अतिथि गृह के कर्मचारियो को उपहार स्वरूप छाते वितरित किए गए।

तत्पश्चात तेजस्वी क्लब की सदस्याओं श्रीमती अनुपमा गोविल, श्रीमती प्रतिभा सिंह, श्रीमती प्रतिमा पाल एवं श्रीमती नीलम शर्मा का विदाई समारोह आयोजित किया गया। श्रीमती पूजा गर्ग ने सदस्याओं को सैशे पहनाकर उनका स्वागत किया तथा पौधा एवं उपहार यादगार स्वरूप भेंट किया। इसके उपरांत मुख्य संरक्षिका, श्रीमती पूजा गर्ग ने सभी को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की।

साथ ही प्रत्येक माह की भांति इस माह भी अप्रैल माह में जन्मे सभी सदस्यों का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया । सभी सदस्यों ने तंबोला गेम्स और स्वादिष्ट स्नैक्स का आनंद उठाया।

तेजस्विनी द्वारा किड्स क्लब में बच्चों हेतु फन एक्टिविटीज, क्विज एवं डांस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

टीएचडीसी लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन 'तेजस्विनी', ऋषिकेश द्वारा 13 अप्रैल, 2026 एवं 14 अप्रैल, 2026 को किड्स क्लब में बच्चों के सर्वांगीण विकास एवं रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विभिन्न फन एक्टिविटीज, क्विज प्रतियोगिताओं एवं डांस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने उत्साहपूर्वक विभिन्न मनोरंजक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियों में भाग लिया। क्विज प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चों की बौद्धिक क्षमता एवं सामान्य ज्ञान को प्रोत्साहित किया गया, वहीं फन एक्टिविटीज के जरिए उनमें आत्मविश्वास, सहभागिता एवं टीम भावना का विकास देखने को मिला। इस अवसर पर बच्चों को डांस का विशेष प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया, जिसमें उन्होंने पूरे उत्साह और ऊर्जा के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों का प्रदर्शन अत्यंत सराहनीय एवं उत्साहजनक रहा तथा उनकी रचनात्मकता, अनुशासन और सीखने की लगन ने सभी का मन मोह लिया।

न सुखं संशयात्मनः।
There is no happiness for the doubting mind.

Hydropower Projects: Strengthening Sustainable Energy Through Engineering and Human Resilience

Sh. Vipul Vishwakarma
Assistant Manager (MPS)
Rishikesh

Introduction

Hydropower projects are a symbol of clean energy and sustainable development. They harness the power of flowing water to generate electricity in an environmentally sustainable manner. However, behind every successful hydropower plant lies the hard work, dedication, and resilience of countless employees who face many challenges during the construction phase & operational phases.

This article explores these challenges in a clear and engaging manner, along with the steps involved and the mental strength required to thrive in this demanding field.

Steps in Hydropower Construction:

Understanding the construction process of a hydropower plant helps us appreciate the complexity, risks, and engineering excellence involved in generating clean energy. From planning to commissioning, every stage requires careful coordination, technical expertise, and continuous problem-solving.

1. Site Selection & Survey

This is the foundation of the entire project. Engineers and environmental experts carefully analyze rivers, water flow, terrain, and geological conditions. They also assess environmental and social impacts to ensure the project is sustainable and feasible.

2. Design & Planning

Once a suitable site is identified, detailed designs are prepared. Engineers prepare blueprints for key components such as dams, tunnels, and powerhouses. This stage involves advanced calculations, safety considerations, and long-term efficiency planning.

3. Excavation & Foundation Work

In this phase, large-scale excavation is carried out to prepare the site. Strong foundations are built to support massive structures like dams and underground tunnels. Precision is extremely important here, as the stability of the entire plant depends on it. Even a minor technical error at this stage can affect the safety and durability of the entire project.

4. Construction of Dam, Powerhouse, HRT & TRT

This is one of the most critical and challenging stages of the project. The dam stores and regulates the flow of water, while the powerhouse is the facility where electricity is generated. The HRT (Head Race Tunnel) carries water to the turbines, and the TRT (Tail Race Tunnel) releases the water back into the river after power generation.

This stage often involves complex underground construction, high-risk operations, and extremely demanding working conditions. Employees frequently work in confined spaces and difficult terrain, where both physical endurance and technical precision are equally important.

5. Installation of Equipment

After civil structures are ready, mechanical and electrical equipment is installed. This includes turbines, generators, transformers, and control systems. Proper installation ensures maximum efficiency and reliable performance. The successful functioning of the entire hydropower plant depends heavily on the accurate installation and synchronization of this equipment.

6. Testing & Commissioning

Before the plant becomes operational, all systems are thoroughly tested. Engineers check safety, performance, and efficiency under real conditions. Once everything meets standards, the plant is commissioned and begins generating electricity.

Only after rigorous testing and verification does the project finally move towards commercial operation, marking the culmination of years of hard work and dedication.

Major Challenges Faced by Employees

- Harsh and Remote Locations - Hydropower sites are usually in mountains or forests. Employees often live far from cities, facing limited facilities and isolation. Adapting to such remote environments requires both physical endurance and mental resilience.
- Extreme Weather Conditions - Heavy rain, snow, landslides, and floods can stop work and create dangerous situations. In many cases, workers continue their responsibilities despite uncertain and harsh weather conditions.
- Safety Risks - Working with heavy machinery, deep tunnels, and high structures increases the risk of accidents. Maintaining safety standards in such environments remains one of the biggest challenges in hydropower construction.
- Long Working Hours - Deadlines and project pressure often lead to extended shifts, affecting both personal life and physical health. Balancing professional responsibilities with personal well-being becomes difficult under such demanding schedules.
- Environmental and Geological Uncertainty - Unexpected rock conditions, water seepage, or earthquakes can delay work and increase stress levels among employees. These uncertainties often require quick decision-making and immediate technical adjustments at the project site.
- Communication Barriers - Remote locations often have poor network connectivity, making coordination difficult. Limited communication facilities can also increase the emotional challenges of staying away from family for long durations.
- Mental Stress and Isolation - Being away from family and constantly working under pressure can lead to emotional strain and mental fatigue.

Despite all of these, hydropower professionals continue to work with dedication and determination. Imagine standing on a mountain, watching a river being transformed into a source of light for thousands of homes. The noise of machines, the dust, sleep cycle, the long days, all fade when you realize your work is shaping the future.

Every tunnel carved, every stone placed, carries a story of courage. Hydropower employees are not just workers; they are silent builders of progress.

Mental Toughness: The Hidden Strength

Employees in the hydropower sector develop strong mental resilience. They learn to:

- Stay calm under pressure.
- Adapt to changing conditions.
- Work as a team despite difficulties.
- Maintain focus in risky environments.

Mental toughness becomes as important as technical skills. Workers often motivate themselves with the bigger goal - contributing to clean energy and national development. Their ability to remain committed despite continuous challenges reflects the true spirit of dedication behind every successful hydropower project.

Conclusion

The construction of hydropower projects is not just an engineering task, it is a test of human strength, patience, and determination. Employees face numerous challenges, from harsh environments to mental stress, yet they continue to push forward.

Their efforts bring clean energy, development, and hope. Recognizing their struggles and supporting their well-being is essential for building a stronger and more sustainable future. The success of every hydropower project ultimately stands as a tribute to the perseverance, commitment, and silent contributions of the people working behind the scenes.

Doctor's Advice

Beating the Heat: A Practical Guide to Stay Safe during Heat Waves

Dr. D.V. V. REDDY
Senior Medical Officer
Niramaya Health Centre,
Rishikesh

As temperatures continue to rise across the country, heat waves are becoming an increasingly serious public health concern. Prolonged exposure to extreme heat can lead to dehydration, heat exhaustion, and even life-threatening heatstroke. Most heat-related illnesses are preventable with the right awareness and simple daily precautions.

Why Heat waves Are Dangerous

The human body functions best within a narrow temperature range. When exposed to excessive heat, the body struggles to regulate temperature, leading to heat stress. This can escalate into conditions like heat cramps, heat exhaustion, and in severe cases, heatstroke—a medical emergency.

Certain groups are more vulnerable, including:

- Infants and young children
- Elderly individuals
- Pregnant women
- Outdoor workers

People with chronic illnesses (heart disease, hypertension, etc.)

Stay Safe: Simple Daily Precautions

1. Hydration Is Your First Defense

Do not wait until you feel thirsty; by then, dehydration may have already begun. Drink water regularly throughout the day. Supplement with:

- Oral Rehydration Solution (ORS)
- Lemon water, buttermilk (lassi), coconut water
- Fresh fruit juices with a pinch of salt

Eating water-rich foods like watermelon, cucumber, oranges, and grapes also helps maintain hydration.

2. Dress Smart and Stay Covered

Lightweight, loose-fitting cotton clothes in light colors help reflect heat. When stepping outdoors:

- Cover your head with a hat, cap, or umbrella
- Wear footwear to avoid heat burns
- Use sunglasses if possible

3. Avoid Peak Heat Hours

The sun is strongest between 12 PM and 3 PM. Limit outdoor activities during this time. If necessary:

- Schedule work in early morning or evening
- Take frequent breaks in shaded or cool areas
- Avoid strenuous physical activity

4. Keep Your Environment Cool

Simple changes at home can significantly reduce heat exposure:

- Keep curtains and windows closed during the day
- Open windows at night for ventilation
- Use fans, damp cloths, or cool water sprays
- Stay on lower floors where it's cooler

A quick cooling trick: immersing your feet in cool water can provide rapid relief from heat stress.

Special Care for Vulnerable Groups

Elderly individuals and those living alone require regular monitoring during extreme heat. Children should never be left in parked vehicles, even briefly, as temperatures inside can rise dangerously within minutes.
Workers exposed to outdoor heat should:

- Drink water every 20 minutes
- Take rest breaks after every hour of work
- Work under shaded areas whenever possible
- Follow a gradual acclimatization schedule

Warning Signs You Should Never Ignore

Recognizing symptoms early can save lives.

In Adults:

- High body temperature (≥40°C)
- Confusion, dizziness, or fainting
- Hot, dry skin
- Rapid heartbeat and breathing
- Nausea or vomiting

In Children:

- Irritability or refusal to feed
- Reduced urination
- Dry mouth and sunken eyes
- Lethargy or seizures

What To Do in an Emergency

If someone shows signs of heatstroke:

- Move them to a cool, shaded place immediately
- Apply cold water or wet cloths to the body
- Fan continuously to reduce body temperature
- Give fluids if conscious
- Call emergency services (108) without delay

Quick Action can save a life.

Traditional and Natural Cooling Practices

India's traditional wisdom offers several effective ways to stay cool:

- Cooling drinks: lemon water, coconut water, etc
- Cooling foods: Cucumber, watermelon, bael sharbat and curd
- Simple practices: Midday rest, light meals, and avoiding oily foods

What to Avoid

- Alcohol, caffeine, and sugary drinks (they dehydrate)
- Heavy, high-protein, or stale food
- Walking barefoot on hot surfaces
- Cooking during peak heat hours
- Leaving children or pets in vehicles

Heatwaves are no longer rare events, they are a recurring reality. Awareness, preparedness, and small lifestyle adjustments can make a big difference. By staying hydrated, avoiding direct sun exposure, and recognizing early warning signs, you can protect yourself and those around you.
Stay cool, stay safe.

न सुखं संशयात्मनः|
There is no happiness for the doubting mind.

भावभीनी विदाई एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएं

Sh. Rajeev Govil
CGM/ HoP
Amelia Coal Mine Project
DoR: 30.04.2026

Sh. Rajeev Govil, CGM/HOP (Amelia Coal Mine Project), superannuated from the services of THDCIL on 30 April, 2026 after rendering more than three decades of dedicated service to the Corporation. A Civil Engineer with B.Tech. qualification, he possesses rich experience in hydropower design, construction, DPR preparation, and supervision of major Hydro Electric Projects. He also underwent specialized training at HPI, Moscow on various aspects of Hydro Electric Project design. Sh. Govil joined THDC India Limited in August 1990 as Assistant Engineer at Tehri HPP and contributed significantly to several prestigious projects including Tehri HEP, Vishnugad Pipalkoti HEP, Jelam Tamak HEP, Malari Jelam HEP, Karmoli HEP, Jadganga HEP, Gohana Tal HEP, and Sankosh HEP (Bhutan). He later served at Vishnugad Pipalkoti HEP, Tehri HPP, and Amelia Coal Mine Project in various capacities. His valuable contributions to THDC India Limited will always be remembered.

Sh. Kunwar Pal Singh
GM (TBM/Power House)
VPHEP
DoR: 30.04.2026

Sh. K.P. Singh, General Manager (TBM/Power House – VPHEP), superannuated from the services of THDCIL on 30 April, 2026 after rendering more than three decades of dedicated service to the Corporation. A Diploma holder in Civil Engineering from K.L. Polytechnic, Roorkee, and AMIE in Civil Engineering from The Institution of Engineers (India), he joined THDCIL in 1989 as JE(T) at Rishikesh. During his long and distinguished career, he contributed significantly in the areas of procurement, spillway execution, hydro engineering works, instrumentation, material management, and project coordination across several important assignments of the Corporation. He also served as Technical Secretary to Director (Technical) and CMD, contributing to strategic initiatives and key projects of THDCIL. In 2021, he took charge of the challenging assignment at VPHEP, where he played an important role in accelerating the progress of major project activities under demanding conditions. His valuable contributions to THDC India Limited will always be remembered.

श्री गबर सिंह चौहान
उप महाप्रबंधक (सतर्कता)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 30.04.2026

श्री आर.एस. कैन्तुरा
उप महाप्रबंधक (विद्युत)
कोटेश्वर
सेवानिवृत्ति: 30.04.2026

श्री एन.एस. रौथाण
उप प्रबंधक (पुनर्वास शहरी)
नई टिहरी
सेवानिवृत्ति: 30.04.2026

श्री मनोज शर्मा
उप प्रबंधक (सिविल-डिजाइन)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 30.04.2026

श्री अंगद पाल
वरिष्ठ प्रबंधक (प्रोजेक्ट)
ट्रेडको, जयपुर
सेवानिवृत्ति: 30.04.2026

श्रीमती अमिता रस्तोगी
अधिकारी (ओएमएस)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 30.04.2026

श्री जी. पी. घिल्डियाल
सहायक अधिकारी (हिंदी)
पीपलकोटी
सेवानिवृत्ति: 30.04.2026

श्री प्रीतम दत्त बैलवाल
अधिकारी (पीएसडी)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 30.04.2026

श्री वीरेंद्र पडियार
उप-अधिकारी (पुनर्वास शहरी)
नई टिहरी
सेवानिवृत्ति: 30.04.2026

श्री राजाराम गोकुलमेश्राम
कनिष्ठ अभियंता (सेवाएं)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 30.04.2026

श्री राजू
सहायक (मा.सं.)
खुर्जा
सेवानिवृत्ति: 30.04.2026

श्री राम सिंह नेगी
हेल्पर (पी.एस.डी.)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 30.04.2026

श्रीमती रामकली
परिचारिका (औषधालय)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 30.04.2026

Designed In-House by Corporate Communication Department, Rishikesh

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED

डॉ. ए. एन. त्रिपाठी, मुख्य महाप्रबंधक (मा. सं. एवं प्रशा. व जनसंपर्क) द्वारा टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के लिए गंगा भवन, प्रगतिपुरम, बाईपास रोड़, ऋषिकेश- 249201 (उत्तराखंड) से प्रकाशित
फोन: 0135-2473504, वेबसाइट: www. thdc. co.in, ईमेल:prthdcil@thdc.co.in
गृह पत्रिका/न्यूज लेटर में प्रकाशित लेखों/रचनाओं में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के अपने हैं और उनसे टीएचडीसीआईएल प्रबंधन का सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
(निशुल्क आंतरिक वितरण के लिए)